एम.एच.डी.

एम. ए. हिंदी कार्यक्रम

द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य
(जुलाई 2020 और जनवरी 2021 सत्रों के लिए)

मॉड्यूल 'ख' – दलित साहित्यः विशेष अध्ययन

एम.एच.डी–17 : भारत की चिंतन परंपराएँ और दलित साहित्य

एम.एच.डी–18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

एम.एच.डी–19 : हिंदी दलित साहित्य का विकास

एम.एच.डी–20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110 068

मॉड्यूल 'ख'– दलित साहित्य : विशेष अध्ययन
(एम.एच.डी.–17 से 20 तक)

एम.ए. हिन्दी द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम में 16 क्रेडिट के चार-चार पाठ्यक्रमों के दो मॉड्यूल दिये गये हैं। पहला मॉड्यूल उपन्यास से संबंधित है और दूसरा मॉड्यूल दलित साहित्य से संबंधित दलित साहित्य के मॉड्यूल में निम्नलिखित 4 पाठ्यक्रम शामिल हैं:

एम.एच.डी–17 : भारत की चिंतन परंपराएँ और दलित साहित्य
एम.एच.डी–18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप
एम.एच.डी–19 : हिंदी दलित साहित्य का विकास
एम.एच.डी–20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

जो विद्यार्थी 'उपन्यास' के मॉड्यूल की बजाए दलित साहित्य का मॉड्यूल विकल्प के रूप में लेता है, उसे उपर्युक्त चारों पाठ्यक्रमों का अध्ययन करना होगा। इन पाठ्यक्रमों से संबंधित एक-एक सत्रीय कार्य भी करने होंगे। प्रत्येक सत्रीय कार्य 100 अंक का होगा।

एम.एच.डी.–17
'भारत की चिंतन परंपराएं और दलित साहित्य'

यह पाठ्यक्रम 4 क्रेडिट का है और इसमें कुल 13 इकाइयों का अध्ययन आपको करना है जिनको चार खंडों में विभाजित किया है। यह सैद्धांतिक प्रश्न पत्र है। इसमें दो तरह के प्रश्न पूछे जायेंगे। निबंधात्मक और टिप्पणीपरक। निबंधात्मक प्रश्न लगभग 70–80 अंक के होंगे और टिप्पणीपरक प्रश्न लगभग 20–30 अंक के। सत्रीय कार्य 100 अंक का होगा लेकिन सत्रांत परीक्षा में प्रश्न पत्र 50 अंक का होगा और आपको इसका उत्तर दो घंटे में देना होगा। सत्रीय कार्य और सत्रांत परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग-अलग न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक हासिल करने होंगे।

सत्रीय कार्य

(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खण्डों पर आधारित)

सत्रीय कार्य कोड: एम.एच.डी - 17/टी.एम.ए/2020-2022

कुल अंक - 100

क) निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर 800- 1000 शब्दों में लिखिए। **15×4= 60**

1) धर्मकीर्ति का जीवन परिचय देते हुए उनके दार्शनिक सिद्धांत का विष्लेषन कीजिए।

2) बौद्ध धम्म के उदय एवं विस्तार पर एक निबंध लिखिए।

3) चार्वाक दर्शन के मानवतावादी विचारधारा पर प्रकाश डालिए।

4) नाथ साहित्य पर बौद्ध दर्शन के प्रभाव को सोदाहरण बताइए।

ख) निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 500 शब्दों में टिप्पणियां लिखिए। **10×4=40**

1) अश्वघोष।
2) लोकायतन दर्शन
3) वीर शैव पंथ
4) निर्गुण संत परंपरा

एम.एच.डी.–18
(दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप)

'दलित साहित्य' मॉड्यूल का पाठ्यक्रम 'दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप' (एम.एच.डी.–18) भी 4 क्रेडिट का है और इसके चार खंडों में 13 इकाइयाँ हैं। यह सैद्धांतिक प्रश्न पत्र है। आपने इस पाठ्यक्रम का अध्ययन कर लिया होगा। अब आपको 100 अंक का सत्रीय कार्य करना है जिसमें दो तरह के प्रश्न पूछे जायेंगे। कुल प्रश्न निबंधात्मक और कुछ टिप्पणीपरक। इस पाठ्यक्रम की सत्रांत परीक्षा 50 अंकों की होगी और उसमें भी निबंधात्मक और टिप्पणीपरक प्रश्न पूछे जायेंगे। सत्रांत परीक्षा की अवधि दो घंटे की होगी। सत्रीय कार्य और सत्रांत परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए दोनों में अलग-अलग 40 प्रतिशत अंक लाने होंगे।

सत्रीय कार्य

(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खण्डो पर आधारित)

सत्रीय कार्य कोड: एम.एच.डी - 18/टी एम ए/2020-21

कुल अंक - 100

क) निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800-1000 शब्दों में दीजिए। **15×4= 60**

1) दलित साहित्य के उद्भव के कारणों को स्पष्ट करते हुए इसके विकास पर प्रकाश डालिए।

2) दलित साहित्य के विकास एवं विस्तार में फुले एवं अम्बेडकर के विचारों का क्या योगदान रहा स्पष्ट कीजिए।

3) दलित साहित्य के मूल मे बौद्ध दर्शन है,कथनकी सत्यता पर विचार कीजिए।

4) हिंदी दलित साहित्य के विकास एवं विस्तार में अछूतानंद एवं हीरा डोम का महत्वपूर्ण योगदान था, स्पष्ट कीजिए।

ख) निम्नलिखित पर 500 शब्दों में टिप्पणियां लिखिए। **10×4= 40**

1) दलित कहानियां

2) प्रेमचन्द के साहित्य में दलित चेतना

3) निराला एवं नागार्जुन की कविताओं में दलित चेतना

4) महात्मा फुले की रचना "गुलिमगिरी

एम.एच.डी–19
हिंदी दलित साहित्य का विकास

एम.ए. (हिन्दी) के दलित साहित्य मॉड्यूल का यह पाठ्यक्रम 19 है, जिसका शीर्षक है : हिन्दी दलित साहित्य का विकास। इस पाठ्यक्रम में आपने हिन्दी के दलित साहित्य का अध्ययन किया है। इस पाठ्यक्रम में कुल चार खंड और 20 इकाइयाँ हैं। पहले खंड में हिन्दी की दलित कविताओं का अध्ययन किया है। दूसरे और तीसरे खंड में दलित कहानियों का और खंड चार में दलित आत्मकथाओं का अध्ययन किया है। यह पाठ्यक्रम भी 4 क्रेडिट का है और सत्रांत परीक्षा में आपको 50 अंक का प्रश्न पत्र करना होगा। इस पाठ्यक्रम से संबंधित एक सत्रीय कार्य करना होगा जो 100 अंक का होगा। सत्रीय कार्य में कविताओं, कहानियों और आत्मकथाओं में से व्याख्याएँ पूछी जाएंगी। कविताओं पर 20 अंक की व्याख्या और कहानियों और आत्मकथाओं पर भी 20 अंक की व्याख्या पूछी जाएंगी यानी आपको कुल 40 अंक की व्याख्याएँ करनी हैं। सत्रीय कार्य में निबंधात्मक और टिप्पणीपरक प्रश्न भी पूछे जाएंगे। निबंधात्मक प्रश्न 40 अंक के और टिप्पणीपरक के 20 अंक के होंगे। इस पाठ्यक्रम का गंभीरतापूर्वक अध्ययन करें और अपने शब्दों में उत्तर लिखें।

सत्रीय कार्य

(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खण्डों पर आधारित)

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी - 19/टी एम ए/2020- 2021

कुल अंक - 100

1) निम्नलिखित काव्यांशों मे से किन्ही दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **10×2= 20**

क) यदि तुम्हें पहुंचना है
इस महक तक
अपने कापुरूष से कहो
भय छोड कर बाहर आये
जैसे छत पर आती है धूप

ख) मेरी पीढ़ी ने अपने सीने पर
खोद लिया है संघर्ष
जहां आंसुओं का सैलाब नहीं
विद्रोह की चिंगारी फूटेगी
जलती झोपड़ी से उठते धुंए मे
तपती मुट्ठियां तुम्हारे तहखानों मे
नया इतिहास रचेगी

ग) देवताओं और देश भक्त के

अर्ध्यों मे कारखाने बेंचकर

पैदा की गई बेरोजगारी के

यज्ञ को कहते हैं जो नई क्रांति

नाशपीटों की यह धोखेबाज सेना

घ) निर्बल का शोषण करने

कैसे कैसे कुचक्र चलाता है ?

कथित ईश्वर कृत ग्रंथों के

आधारहीन संदर्भों को

स्वरचित आख्यानों से

कैसे प्रमाणिक ठहराता है

2) निम्नलिखित गद्यांशों मे से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **10×2= 20**

क) सुदीप जब भी किसी को गिड़गिड़ाते देखता है तो उसे अपने पिता की छवि याद आने लगती है। ऐसे मे उसका पोर पोर चटकने लगता है। जैसे कोई धीर धीरे उसके जिस्म पर आरी चला रहा हो।

ख) उसने बिना अंतर्द्वन्द के आग्रह करने वाले को सपाट उत्तर दिया,सब नफा पोसनहार लिया ....दूध खाया, घी चाटा और अब मर गई तो हमको ही ठेल दिया जबकि हमहू आदमीए नफा उठा त" मरी" को भी किरिया करम करे। अब चीर फाड करना हमको ठीक नहीं लगता है,मन घिनाता है।

ग) शर्त यही है कि खाने के बाद हम अपना पत्तल नही उठिएंगे। नेउत कर ले जाते हैं तो सचमुच सम्मान दीजिए और यह सम्मान अगर आपने दिया तो सबने दिया - क्योंकि आप तो गांव के सिरमौर हैं"

घ) " साहेब अब इस बस्ती मे नहीं रहा जाता ..... कहीं कोई सुनवाई नहीं, सरकारी दफ्तर मे अरजी देते देते गोड टूट गए ।आप तो दयावान हैं,कुछ पानी का इंतजाम हो जाता तो बस्ती के लोग आसीस देते"

3) निम्नलिखित मे से किन्ही चार प्रश्नो के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखिए। **10×4= 40**

क) दलित कविता के वैचारिक आधार सोदाहरण प्रकाश डालिए।

ख) दलित कहानियां किस प्रकार समाज में समानता का संदेश फैला रही हैं, विवेचना कीजिए।

ग) "अगारा" कहानी मे व्यक्त स्त्री चेतना को स्पष्ट कीजिए।

घ) दलित स्त्री आत्मकथा मे व्यक्त स्त्री चेतना पर प्रकाश डालिए।

ड) "मशालची" उपन्यास के रचना शिल्प का उल्लेख करते हुए उपन्यास के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

4) निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए। **5×4=20**

क) " आज" का रैदास" कविता का संरचना शिल्प।

ख) " पच्चीस चौका डेढ सौ" कहानी के मुख्य पात्र।

ग) "जूठन" की कथावस्तु।

घ) " जीवन हमारा" मे व्यक्त दलित स्त्री का तिहरा शोषण।

एम.एच.डी.–20
भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

एम.ए. हिन्दी दलित साहित्य मॉड्यूल का यह पाठ्यक्रम–20 है जिसका शीर्षक है : 'भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य'। इस पाठ्यक्रम में आपने भारतीय भाषाओं में लिखे गये दलित साहित्य का अध्ययन किया है। इस पाठ्यक्रम में कुल पाँच खंड और 27 इकाइयाँ हैं। पहले खंड में भारतीय दलित कविता, दूसरी और तीसरे खंड में भारतीय दलित कहानियाँ, चौथे खंड में भारतीय दलित आत्मकथाएँ और पाँचवे खंड में भारतीय दलित उपन्यास का अध्ययन किया है। यह पाठ्यक्रम भी चार क्रेडिट का है और सत्रांत परीक्षा में आपको 50 अंक का प्रश्नपत्र करना होगा। इस पाठ्यक्रम से संबंधित एक सत्रीय कार्य करना होगा जो 100 अंक का होगा। सत्रीय कार्य में कविताओं, कहानियों, आत्मकथाओं और उपन्यासों में से व्याख्याएँ पूछी जाएंगी। व्याख्याएँ लगभग 40 अंक की पूछी जाएंगी। 60 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे जो निबंधात्मक और टिप्पणीपरक होंगे। इस पाठ्यक्रम को गंभीरतापूर्वक अध्ययन करें और अपने शब्दों में उत्तर लिखें।

सत्रीय कार्य

(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खण्डों पर आधारित)

सत्रीय कार्य कोड एम. एच.डी.20/टी.एम.ए/2020-21

कुल अंक- 100

1) निम्नलिखित उद्धरणों मे से प्रत्येक की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **10×4=40**

क) तुझे देखा मैंने शामपहर मे पल्लू की गांठ खोलकर तेल नमक खरीदती पांच पैसे मेरी हथेली पर धरकर कहती मिठाई लेकर खा, लेकिन स्कूल जरुर जाना पालने के नन्हे को दूध से लगाती कहती - अंबेडकर जैसे बनना बेटा तब ही छूटेगा हाथ का तसला।

ख) गिद्धों का झुण्ड.....

फिर तो पश्चिम दिशा से झुण्ड आया।

फिर तो दक्षिण दिशा से झुण्ड आया।

फिर तो उत्तर दिशा से झुण्ड आया।

फिर तो ,.... फिर तो.....!

कांप उठा.....

ग) "मेरी तो सारी उम्र निकल गई गंदगी मे हाथ चलाते हुए.....एक तुम पर आश लगी थी कि पढ़-लिखकर सुख देगा, परंतु तू.....?

घ) इस तरह की चर्चा लगातार डोम मोहल्ले में चलती, चबूतरे पर जमावड़ा इकट्ठा होता तो यही बातें उन्हे समझाई जाती।नाना जी ने इसे अपने जीवन का अभियान ही बना लिया था।'धीरे धीरे ही सही,पर भीम की बातें लोगों को समझ मे आने लगी"।

2) निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लगभग 700- 800 शब्दों मे लिखिए। **10×4=40**

क) तेलुगु दलित कविता मे व्यक्त दलित मुक्ति के प्रश्न पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

ख) "कवच" कहानी के बाल चरित्र "गोन्या" के मानसिक द्वंद्व को स्पष्ट कीजिए।

ग) दलित आत्मकथा "अक्करमाशी" मे यातना से मुक्ति की अभिव्यक्ति पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

घ) दलित उपन्यास और सामान्य वर्ग के उपन्यास के अंतर को रेखांकित कीजिए।

3) निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 200 शब्दों में टिप्पणियां लिखिए। **5×4= 20**

क) दया पवार की कविता "वृक्ष"

ख) पंजाबी दलित कवि मदन वीर

ग) संजय कुमार बाग की कहानी "वर्ण बोध"

घ) बेबीताई कांबले